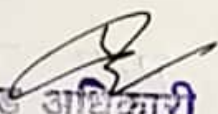


02/11/19- पत्रावली काष्ठ जेका हुयी। कर्मल प्राचीण  
रुपस्थित। प्राचीण रुपस्थित। प्राचीण  
को मय रुचिपक्ता कोही समय में तीस बार  
तीस तीस कावाजे दिलाई गयी बावजूद  
कावाजे दिलाने के प्राचीण व प्राचीण के  
रुचिपक्ता रुपस्थित। कतः उक्त ककान  
अकरण प्राचीण की रुकन हजरी व  
रुकन पैरवी में स्कारिज किया जाता है।  
पत्रावली निर्णय सुमार हीकर दारिद्र्य  
दफतर ही।

  
उपखण्ड अधिकारी  
सिवाना (बाड़मेर)

